गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(माड्यूलर कार्यक्रम)

एम.जी.पी.

सत्रीय कार्य

वर्ष 2014–2015 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2014 सत्र के लिए	31 मार्च 2015	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2015 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2015	

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:
   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तरः
   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और।
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ,

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका युग (एम जी पी–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राष्ट्रवाद और अन्तर्राष्ट्रीयवाद पर गाँधी के विचारों ने किस प्रकार से भारत को स्वतन्त्र कराने में सहयोग दिया, स्पष्ट कीजिए।

2. लन्दन में कानून के विद्यार्थी के रूप में गाँधी के विभिन्न अनुभवों का परीक्षण कीजिए।

3. निम्नलिखित की प्रमुख विशेषताओं और महत्व का वर्णन कीजिएः

   क) गाँधी पर पश्चिमी प्रभाव
   ख) सत्याग्रह

4. स्वतन्त्रता संघर्ष के दौरान महात्मा गाँधी के नेतृत्व में दो आन्दोलनों के अभिसरण (convengence) के संबंध में चर्चा कीजिए।

5. कोम्यूनल अवार्ड की सार संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) राउलैट सत्याग्रह
   ख) कांग्रेस और विभाजन

7. क) खेड़ा सत्याग्रह (1918)
   ख) असहयोग आन्दोलन की उपलब्धियाँ

8. क) सविनय अवज्ञा आन्दोलन
   ख) गाँधी–इर्विन पैक्ट

9. क) भारत छोड़ो आन्दोलन के परिणाम
   ख) गाँधी द्वारा क्रांतिकारियों की आलोचना

10. क) गोलमेज़ सम्मेलन (1930–1932)।
    ख) डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक और राजनीतिक विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी का दर्शन (एम जी पी–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधी की अहिंसा की संकल्पना पर भारतीय धर्मों के प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

2. इस्लाम के पाँच स्तम्भों के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

3. गाँधी के जीवन में सत्य के अर्थ और उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

4. वेदांत में 'अंतिम यथार्थ' की अवधारणा की चर्चा कीजिए।

5. जॉन रस्किन (1819–1900) के आर्थिक विचारों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) सत्याग्रह और अहिंसा
   ख) भक्ति आंदोलन

7. क) सत्य और स्वतन्त्रता (मुक्ति)
   ख) गाँधी के हिन्दू धर्म पर विचार

8. क) गाँधी के द्वारा गीता की व्याख्या
   ख) राष्ट्र राज्य और औद्योगिकीकरण की पश्चिमी अवधारणों पर गाँधी के विचार

9. क) सर्वोदय का गाँधीवादी विचार
   ख) स्वराज के आर्थिक आधार

10. क) गाँधी की कर्त्तव्य की अवधारणा
    ख) गाँधी की स्वराज की संकल्पना

पाठ्यक्रमः गाँधी का सामाजिक चिंतन (एम जी पी–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधी के शिक्षा के दर्शन और उद्देश्य तथा शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में उनके प्रयासों की समीक्षा कीजिए।

2. भारतीय सामाजिक व्यवस्था पर गाँधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए।

3. ब्रिटिश भारत में साम्प्रदायिक संघर्षों पर गाँधी के विश्लेषण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. धार्मिक बहुलवाद पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

5. आधुनिकता की गाँधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) साम्प्रदायिकता और अल्पसंख्यकों के अधिकार
   ख) गाँधी का भारत विभाजन का विरोध

7. क) अस्पृश्यता
   ख)हिन्दू धर्म के पुनर्निर्माण पर गाँधी के विचार

8. क) गाँधीवाद सिद्धांत में सत्य की आवधारणा
   ख) पर्यावरणीयता पर गाँधी

9. क) 21वीं शताब्दी में श्रम पर गाँधी के विचार
   ख) दलित जातियों पर गाँधी के विचार

10. क) बाल विवाह पर गाँधी के विचार
    ख) ब्रह्मचर्य/अविवाहित जीवन पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी का राजनैतिक चिंतन (एम जी पी–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधी की पश्चिम की आलोचना के आधारों का परीक्षण कीजिए।

2. गाँधी की ग्राम स्वराज की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

3. ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय राजनीतिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं की चर्चा कीजिए।

4. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गाँधी के मूल्यांकन को आप किस प्रकार से स्पष्ट करेंगे?

5. साध्य और साधनों के महत्व पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) शक्ति और प्राधिकार
   ख) उदारवाद और संविधानवाद की संकल्पनायें

7. क) उपनिवेशवाद के विरूद्ध गाँधी का अहिंसक संघर्ष
   ख) फासीवाद पर गाँधी के विचार

8. क) समाजवाद और साम्प्रदायिकतावाद के अर्थ
   ख) संरचनात्मक कार्यक्रम का महत्व

9. क) ढाँचागत (संरचनात्मक) हिंसा पर गाँधी के विचार
   ख) सत्याग्रह के अर्थ और तकनीकें

10. क) गाँधीवादी शांतिवाद (पैसिफिज्म) के मुख्य तत्व
    ख) युद्ध पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम जी पी–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति के अर्थ और प्रकारों की परिभाषा दीजिए।

2. संघर्ष समाधान की विभिन्न बल परक प्रणालियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

3. औपचारिक प्रतिनिधित्वमूलक लोकतन्त्र की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

4. समाज द्वारा संघर्ष नियन्त्रण करना और हिंसा के प्रयोग को रोकने के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

5. संघर्ष की परिभाषा दीजिए और संघर्ष के विशिष्ट स्त्रोतों का परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) समकालीन संघर्षों के वैश्विक स्त्रोत
   ख) सामाजिक अन्याय के कारण
7. क) शांति शिक्षा पर गाँधीवाद विचारों को विस्तार से लिखिए
   ख) विवादों के समाधान के उपायों के रूप में सत्याग्रह का अध्ययन की आलोनात्मक व्याख्या कीजिए

8. क) असमानता के बीच में समानता के लिए औचित्य प्रतिपादन करना
   ख) भारत में न्याय के साधन/उपाय

9. क) समानता और असमानता पर उदार और मार्क्सवादी विचार
   ख) संघर्ष और उसके समाधान के पश्चिमी और पूर्वी परिप्रेक्ष्य

10. क) संघर्ष समाधान के
    ख) वैकल्पिक विवाद समाधान की अवधारण और अर्थ

पाठ्यक्रमः गाँधी के आर्थिक विचार (एम जी पी ई–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. पारम्परिक अर्थशास्त्र की प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में परीक्षण कीजिए।

2. गरीबी के संदर्भ में औपनिवेशवाद के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

3. आधुनिक अर्थशास्त्र के विरूद्ध गाँधी द्वारा की गई आलोचना के प्रमुख बिन्दुओं की परीक्षण कीजिए।

4. जे.के. मेहता के दार्शनिक आर्थिक दृष्टिकोण की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।

5. समकालीन और सार्वभौमिक विश्व में गाँधी की स्वदेशी की अवधारणा की प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) आत्म–विश्वास और आत्म–संतुष्टि की गाँधीवादी अवधारणा
   ख) वर्तमान विश्व में स्वदेशी की गाँधीवादी संकल्पना

7. क) गाँधी का न्यासिता (ट्रष्टीशिप) का सिद्धांत
   ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित इच्छाओं को सीमित करने का सिद्धांत

8. क) गाँधी की मशीन के संबंध में अवधारणा
   ख) गाँधी की ग्राम विकास की संकल्पना

9. क) ई. एफ. शूमैकर (1911–1977)
   ख) श्रीमन नारायण (1912–1973)

10. क) विकास का गाँधीवादी विचार
    ख) भारत की कृषि अर्थव्यवस्था

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम जी पी ई–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–2015
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में सामाजिक क्रांति की उपलब्धियों और कमियों की चर्चा कीजिए।

2. आचार्य विनोबा भावे द्वारा प्रतिपादित भूदान आन्दोलन का परीक्षण कीजिए।

3. उन पारिस्थितिकीय मुद्दों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए जो आज मानवता को प्रभावित कर रहे हैं।

4. भारत में मद्य नीति और सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों की प्रमुख चिन्ताओं की चर्चा कीजिए।

5. संपूर्ण क्रान्ति की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भूमण्डलीकरण और किसान आन्दोलन
   ख) चिपको आन्दोलन

7. क) महिलाऐं और नागरिक अधिकार आन्दोलन
   ख) संयुक्त राज्य अमरीका में नागरिक अधिकार आन्दोलन

8. क) नर्मदा बचाओ आन्दोलन
   ख) साइलेंट वैली आन्दोलन

9. क) अहिंसात्मक आन्दोलन के प्रकार
   ख) पर्यावरणीय महिलावादी आन्दोलन

10. क) पौलैंड में अहिंसक सौलीडेरिटी आंदोलन
    ख) दक्षिण अफ्रीका में ऐन्टी–अपारथाइड आन्दोलन

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम जी पी ई–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति बनाये रखने के लिये उसकी और संघर्ष रूपान्तरण की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।
2. असहिष्णुता से निपटने के लिए गाँधी द्वारा प्रतिपादित विभिन्न समाधानों का विश्लेषण कीजिए ।
3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित पर संक्षिप्त लेख लिखिएः

   (क) सामुदायिक शांति की गाँधीवादी दृष्टि
   (ख) सहिष्णुता और सद्भावना को समझना
4. विश्व संघ और राष्ट्रों के बीच शांति की गाँधी की योजना का संक्षेप में परीक्षण कीजिए।
5. मध्यस्थता की संकल्पना और संघर्ष समाधान में इसकी उपयोगिता का संक्षेप में जाँच कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गाँधी की सामुदायिक शांति की दृष्टि
   ख) सेवा (SEWA) की भूमिका और इसकी मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए
7. क) संघर्ष समाधान के लिए उपवास
   ख) औद्योगिकीय संघर्ष पर गाँधी के विचार
8. क) समकालीन विश्व में वार्तालाप और समझौते की प्रासंगिकता का ऑकलन कीजिए
   ख) समझौते की विशेषताएँ और पहलुओं को स्पष्ट कीजिए।
9. क) संघर्ष समाधान में वार्तालाप और समझौते का महत्व
   ख) शांति सेना विचार
10. क) उत्तर–पूर्व भारत और शांति की दिशा में प्रयास
    ख) तिब्बत, म्याँमार और भूटान में राष्ट्र–निर्माण

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम जी पी ई–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भूमण्डीलकरण की संकल्पना और अर्थ तथा इसके दुष्प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

2. अनेकवादी राज्य की संकल्पना और अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

3. विश्व में रचनात्मक और व्यवस्था बनाने के लिए महात्मा गाँधी ने क्या उपाय सुझाएँ हैं?

4. विज्ञान और प्रौद्योगिकी की गाँधीवादी दृष्टि को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

5. पर्यावरण पर सतत् संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) लोकतन्त्र का व्यवहार और समस्याएँ
   ख) भारत में धर्मनिरपेक्षवाद

7. क) सामाजिक समावेशन
   ख) महिला सशक्तीकरण

8. क) धर्म और राजीनति
   ख) भारत और इसकी सांस्कृतिक विविधताएँ

9. क) विकसित पूँजीवादी राज्य पर बहस
   ख) राज्य संप्रभुसत्ता और विश्व व्यवस्था

10. क) मानव अधिकारों पर गाँधी
    ख) ग्राम विकास का गाँधीवादी मॉडल

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबंधन(एम जी पी ई–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–010
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति निर्माण का कार्य एक लम्बी अवधि का प्रयास होता है जिसमें विभिन्न परिप्रेक्ष्यों से परिश्रमपूर्ण परिकल्पना और कठोर मेहनत की आवश्यकता होती है। विस्तार से बताइए।

2. संघर्षरत समाजों को सशक्त बनाने में सुयक्त राष्ट्र की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

3. निम्नलिखित को लगभग 250 शब्दों में स्पष्ट कीजिएः

   क) संघर्ष ऑकलन की चुनौतियाँ
   ख) संघर्ष के स्रोत

4. पंजाब में आतंकवाद की समस्या के प्रमुख कारणों को स्पष्ट कीजिए।

5. संघर्ष रूपान्तरण के अहिंसक दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गैलटूंग द्वारा स्थापित संरचनात्मक हिंसा की धारणा
   ख) गाँधी का स्वराज का विचार

7. क) जीशार्प की रणनीतिक अहिंसा संघर्ष रूपान्तरण के प्रति दृष्टिकोण
   ख) अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत की भूमिका

8. क) गाँधी की आधुनिक सभ्यता की आलोचना
   ख) गाँधी का दक्षिण अफ्रीका में शैक्षिक प्रयोग

9. क) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी द्वारा किए गए सत्याग्रह अभियान के नेतृत्व का वर्णन कीजिए
   ख) संघर्ष रूपान्तरण का गैर–पश्चिमी दृष्टिकोण

10. क) उत्तर–संघर्ष पुनर्निर्माण और पुनर्वास को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
    ख) अफगानिकस्तान में निरन्तर संघर्ष के लिए जिम्मेदार कारकों को स्पष्ट कीजिए।

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा(एम जी पी ई–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–011
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मानव सुरक्षा की संकल्पना और इसके आयाम, जैसे कि मानव विकास रिपोर्ट 1994 में सुझाए गए हैं, की चर्चा कीजिए।

2. भारत में मानव सुरक्षा की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में लिखिएः

   क) संघर्ष के बाद शांति निर्माण
   ख) मानव सुरक्षा पर गाँधीवादी दृष्टि

4. मानव सुरक्षा और मानव अधिकार पर एक निबंध लिखें।

5. दक्षिण एशिया में राज्य हिंसा की आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. विकास और वैश्विक तापन के बीच संबंधों पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

7. भारत के लिए पर्यावरणीय चिन्ताओं के महत्व के संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

   क) देश में असंगठित श्रमिकों की समस्याएँ
   ख) भारत में बाल श्रमिकों का सशक्तीकरण

9. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गाँधीवादी चिंतन के अभ्यास का वर्णन कीजिए

10. परम्परागत सुरक्षा और मानव सुरक्षा के बीच अन्तर बताइए।

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम जी पी ई–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–012
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. महिलाओं के विरूद्ध होने वाली हिंसा के प्रमुख कारणों का आलोचानात्मक परीक्षण के कीजिए।

2. शूमपीटर के विकास के सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में लिखिएः

   क) भारत में महिलाओं के जनसांख्यिकी संकेतकों में क्षेत्रीय अन्तर
   ख) शांति निर्माण में महिलाओं की भूमिका

4. उपयुक्त उदाहरणों सहित प्रतिष्ठा के लिए हत्याओं की समस्या की चर्चा कीजिए।

5. उपयुक्त उदाहरणों सहित शांति निर्माता के रूप में महिलाओं की भूमिका का आलोचानात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारत में साम्प्रादायिकता और लिंग संबंध
   ख) महिलाओं के विरूद्ध हिंसा रोकने के लिए गाँधी के विचारों की प्रासंगिकता

7. विकास के मार्क्सवादी सिद्धांत की अलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।

8. महिला शिशु हत्या के विरूद्ध संघर्ष की प्रमुख विशेषताओं को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिये

   क) पर्यावरण के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
   ख) संघर्ष समाधान में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की भूमिका का परीक्षण करें।

10. शांति के उत्थान के लिए भारत द्वारा की गई विभिन्न पहलों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनैतिक शासन और संघर्ष (एम जी पी ई–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–013
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. नागरिक समाज की पारम्परिक अवधारणा और कौन से प्रमुख कारणों से इसका विघटन हुआ, स्पष्ट कीजिए।

2. बाज़ार, राज्य और नागरिक समाज के बीच बदलते संबंधों की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।

3. भूमण्डलीकरण–विरोधी आन्दोलन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

4. प्रारम्भिक और तत्कालीन अहिंसक विरोध आन्दोलनों की समीक्षा कीजिए।

5. व्यक्तिगत पहल और स्वायत्ता पर गाँधी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) आत्म–प्रतिष्ठा और स्व–शासन के रूप में स्वराज
   ख) राज्य और नागरिक समाज के बीच संबंध

7. स्वैच्छिक कार्यों को गतिशील बनाने में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

8. क) मानव अधिकारों का उत्थान और विकास
   ख) गरीबी और भुखमरी के उन्मूलन की दिशा में ग्रामीण बैंकों के प्रयास

9. पंचायत राज संस्थाओं के अध्ययन के दृष्टिकोणों का वर्णन कीजिए।

10. क्षमता निर्माण और महिलाओं का सशक्तीकरण पर गाँधी के विचार।

पाठ्यक्रमः गाँधी पारिस्थितिकी और सतत् विकास (एम जी पी ई–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. विकास की संकल्पना और इसके विविध परिप्रेक्ष्यों की आलोचना को स्पष्ट कीजिए।

2. विकास के गाँधीवादी दृष्टिकोण की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

3. पर्यावरण और संरक्षण पर प्राचीन भारत की परम्पराओं की समीक्षा कीजिए।

4. दक्षिण अफ्रीका और भारत में गाँधी के आश्रमों में सामुदायिक जीवन की परीक्षा कीजिए।

5. मानव पारिस्थितिकी के मूल सिद्धांतों को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) पर्यावरण और संरक्षण पर गाँधी के विचार
   ख) गाँधी के आदर्श गाँव की संकल्पना

7. क) सामुदायिक जीवन पर गाँधी के विचार
   ख) समानता और न्यासिता (ट्रस्टीशिप)

8. क) भारत में पर्यावरणीय शिक्षा
   ख) ग्राम स्वराज पर गाँधी के विचार

9. क) अल्प और सादा सुन्दर होता है
   ख) रालेगण सिद्धि और मानव विकास

10. क) गाँधी और मानव पारिस्थितिकी
    ख) शुष्क भूमि राजस्थान में जल संचयन

पाठ्यक्रमः शोध पद्धतियों का परिचय (एम जी पी ई–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–015
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–015/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. समाज विज्ञान अनुसंधान की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. मानवीय और अनुभवाश्रित प्रतिमानों के बीच अन्तर की समीक्षा कीजिए।

3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में लिखिएः

   क) आकड़े एकत्रित करने की प्रणाली
   ख) नृजातीय वर्णन (ethnography) की विशेषताएँ

4. संघर्ष मानचित्रण के मूल तत्वों की चर्चा कीजिए।

5. साहित्य समीक्षा की मुख्य विशेषताओं की परीक्षा कीजिए और यह किस प्रकार से शोध समस्याओं को परिभाषित करती है, स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. दस्तावेज़ी आँकड़ों के अर्थ और प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

7. कोडिंग और विवरणात्मक विश्लेषण की पद्धतियों की परिभाषा दीजिए।

8. क) संघर्ष मानचित्रण के मूल तत्व
   ख) हिंसा के विभिन्न प्रकार

9. विश्लेषण की प्रक्रिया और शोध निष्कर्षों का परीक्षण कीजिए।

10. शोध प्रस्तुतीकरण में तालिका निर्माण के सिद्धांतों का विश्लेषण कीजिए।

पाठ्यक्रमः मानव अधिकारः भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम जी पी ई–016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–016
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–15
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में मानव अधिकारों के सैद्धांतिक और दार्शनिक आधारों की चर्चा कीजिए।

2. सम्पूर्ण विश्व में मानव अधिकारों के प्रमुख उल्लंघनों की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिएः

   क) आई सी सी पी आर और आई सी ई एस सी आर के बीच अन्योन्याश्रित
   ख) प्राकृतिक आन्दोलन और मानव अधिकार

4. अल्पसंख्यकों के अधिकारों और देशज़ लोगों पर संयुक्त राष्ट्र की घोषणा की विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

5. लिंग संबंधी भेदभाव को स्पष्ट कीजिए जो कि विश्व के अनेक भागों में दिखाई देता है।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. मानवों अधिकारों पर समकालीन बहस में होने वाले मुख्य मुद्दों का परीक्षण कीजिए।

7. अतिवादी महिलावाद की मुख्य विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

8. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिएः

   क) भारत में बाल न्याय
   ख) भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकार

9. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

10. मानव अधिकारों पर गाँधी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।